हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 31 मार्च 2025

11 अध्यापक संघ ने जिला स्तरीय बैठक में नामांकन के लिए बनाई...

12 नवसंवत पर डेरा बाबा सरसाई नाथ में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब...

खबर संक्षेप

चिन्दड़ गांव से हजारों के पशु चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। गांव चिन्दड़ में चोरों ने रात को प्लाट में बंधे हजारों रुपये के पशु चोरी कर लिए। इस बारे पीड़ित व्यक्ति द्वारा पुलिस को शिकायत दज करवाई गई है। सदर फतेहाबाद पुलिस को दी शिकायत में गांव चिन्दड़ निवासी मोनू ने कहा है कि उसके पास एक भैंस, एक झोटी व एक छोटी कटड़ी थी। उसने अपने इन पशुओं को गर्मी होने के कारण अपने पड़ोसी रामरख के प्लाट में बांधा हुआ था। रात को उसने इन पशुओं को प्लाट में बांधा और बाहर सो गया। उसने आरोप लगाया कि रात करीब 3 बजे अज्ञात व्यक्ति उसके पशुओं को चोरी कर ले गया है।

मुख्यमंत्री के समक्ष शिकायतें रखेगी एसो.

सिरसा। एग्रीकल्चर डेवल्पमेंट एसोसिएशन सिरसा की बैठक रविवार को एक निजी प्रतिष्ठान में हुई जिसमें संगठन के प्रदेशाध्यक्ष हरमेश सिंह मुख्यातिथि थे। एसोसिएशन के शहरी प्रधान राधे गांधी ने बताया कि बैठक मुख्य रूप से प्रस्तावित सीड अमेंडमेंट एक्ट-2025 में दुकानदारों का विरोध दर्ज करवाना था। राधे गांधी ने बताया कि दुकानदार सीलबंद बीज उत्पादक कंपनियों से खरीदकर किसान को सीलबंद ही बेचते हैं। अतः गुणवत्ता की अंतिम जिम्मेदारी हमारी नहीं, बल्कि कंपनियों की बनती है। किसी कंपनी द्वारा की गई गलती की सजा दुकानदार क्यों वहन करे।

टोहाना क्षेत्र से नाबालिग युवती लापता, केस दर्ज

फतेहाबाद। जिले के टोहाना क्षेत्र से एक नाबालिग युवती के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव नांगला निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 17 वर्षीय लडक़ी गत दिवस घर पर बिना बताए कहीं चली गई है। उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। उसने आरोप लगाया कि अज्ञात युवक बहला-फुसला कर उसकी नाबालिग लडक़ी को अपने साथ ले गया है। इस मामले में सदर टोहाना पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

मंडियों में हो रही फसलों की बेकद्री: इंदौरा

सिरसा। पूर्व सांसद डॉ. सुशील इंदौरा ने सरसों की सरकारी रेट पर खरीद न करने पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि सरकार की कथनी व करनी में दिन रात का अंतर है। पूर्व सांसद ने रविवार को जारी बयान में कहा कि सरकार ने चुनावों के समय जोर-शोर से प्रदेश में सबसे अधिक फसलें एमएसपी पर खरीद करने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, लेकिन मंडियों में किसानों की फसलों की हो रही बेकद्री सरकार के दावों की हवा निकाल रही है।

हड़ौली में 8 किसानों के ट्यूबवेलों से केबल चोरी

फतेहाबाद। चोरों ने गांव हड़ौली में 8 किसानों के खेतों में लगे ट्यूबवेलों की मोटरों से हजारों रुपये की केबल चोरी कर ली। इस बारे पीड़ित किसानों ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव हड़ौली निवासी मनजीत सिंह ने कहा है कि उसका हुकमावाली रोड पर खेत है। रात को अज्ञात चोर उसके खेत में घुस गए और मोटर से केबल चोरी कर ले गए है। सुबह जब वह खेत में गया तो उसे चोरी का पता चला। इस पर जब उसने आसपास पूछताछ की तो उसे पता चला कि चोरों ने अन्य किसानों राजेन्द्र प्रसाद, मोहन, सतवीर गोदारा, रघुवीर, मंगा राम, मनीराम व सुरतिया के खेतों में भी मोटरों से केबल चोरी कर ली है। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

समस्या का समाधान : हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन करेगा कैंटिन का संचालन

अटल कैंटीन में किसानों-मजदूरों को 10 रुपये में मिल रहा भोजन, 2 सब्जियां, 4 रोटी और चावल हो रहा सर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गेहूं के सीजन में किसान व मजदूरों को घर जैसा अच्छा स्वादिष्ट खाना मात्र 10 रुपये प्रति थाली मिल रहा है। यह भोजन मार्केटिंग बोर्ड द्वारा किसानों-मजदूरों के लिए शुरू की गई 'अटल किसान-मजदूर कैंटीन' पर मिल रहा है। यह कैंटीन अनाज मण्डी के पीछे मार्केटिंग बोर्ड के दमकल कार्यालय में चलाई जा रही है। इस कैंटीन का संचालन हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है। कैंटीन में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किसानों-मजदूरों को खाना परोसा जाता है। खाने में 2 सब्जी, चावल और 4 चपातियां दी जाती हैं।

बता दें कि गेहूं के सीजन में काफी संख्या में किसान अपनी फसलें लेकर अनाज मण्डी में आते हैं। इसके अलावा अनाज मण्डी में करीब 5 हजार प्रवासी मजदूर भी यहां आकर लेबर का काम करते हैं। मण्डियों में काम करते हुए इन्हें अक्सर खाना न मिलने की शिकायत रहती थी। अगर किसान-मजदूर कहीं बाहर होटलों पर जाते तो उन्हें खाना काफी महंगा पड़ता था। किसानों-मजदूरों की इसी समस्या को देखते हुए मार्केटिंग बोर्ड द्वारा फतेहाबाद अनाज मण्डी के पीछे अटल किसान मजदूर कैंटीन शुरू की गई थी। यहां आने वाले किसानों, मजदूरों को मात्र 10 रुपए में घर जैसे खाने का स्वाद मिल रहा है। इसके अलावा हाइजीन पर पूरा फोकस रखा जा रहा है। कैंटीन में किसानों, मजदूरों को 10 रुपये प्रति थाली में दाल, सीजनल सब्जी, 4 रोटी व चावल के अलावा आरओ का पानी मिलेगा।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी के पीछे स्थित अटल किसान-मजदूर कैंटीन व अटल किसान-मजदूर कैंटीन में काम करने वाली महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

खाने से पहले कटेगा टोकन

भोजन के लिए इलेक्ट्रानिक मशीन से पहले 10 रुपए का टोकन कटेगा और प्रिंटेड पर्ची मिलेगी। यह पर्ची देने के बाद भोजन दिया जाएगा। गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मार्केट कमेटी की ओर से सुपरवाइजर लगाए जाएंगे। जो हर दिन खाने की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और ऑडिट भी किया जाता है। दरअसल स्वयं सहायता समूह ग्राहक से 10 रुपये लेंगी और 15 रुपये प्रति व्यक्ति की दर से मार्केटिंग बोर्ड इन महिलाओं को भुगतान करेगा। इसके लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पूरा रिकार्ड मेंटेन करना पड़ेगा।

रोजाना करीब 200 लोगा भोजन करने पहुंच रहे

उनके पास अटल कैंटीन में अब करीब 200 लोग रोजाना खाना खाने आते हैं। फसली सीजन में इनकी संख्या बढकर 300 तक पहुंच जाती है। कैंटीन में 4 महिलाएं काम करती हैं। वह स्वयं खाने के लिए टोकन काटती हैं। प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे महिलाएं काम में जुटी रहती है। कोई भी व्यक्ति यहां सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक खाना खा सकता है। खाने में गुणवत्ता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। खुशी, स्वयं सहायता समूह बड़ोपल

भोजन की हर थाली पर मिलेगी सब्सिडी

मार्केट कमेटी के सचिव यशपाल मेहता ने बताया कि मार्केट कमेटी कैंटीन चलाने वाली स्वयं सहायता समूह द्वारा किसानों-मजदूरों को 10 रुपये प्रति थाली भोजन मुहैया करवाया जा रहा है। इसके अलावा प्रति थाली 15 रुपए के हिसाब से मार्केटिंग बोर्ड द्वारा 300 थाली भोजन का पैसा हर दिन भुगतान किया जाएगा।

जीएसटी एमनेस्टी योजना: बकाया कर पर ब्याज एवं जुर्माने में मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा पात्र करदाताओं को बकाया कर पर ब्याज एवं जुर्माने में राहत देने के लिए जीएसटी एमनेस्टी योजना लांच की गई है। इस योजना को हरियाणा सरकार द्वारा भी लागू किया गया है। उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस योजना की जानकारी सभी पात्र करदाताओं तक पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक करदाता इसका लाभ उठा सकें। योजना का लाभ उठाने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि यह योजना उन करदाताओं के लिए लागू होगी जिन पर वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 एवं 2019-2020 के दौरान हरियाणा जीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 73 के तहत बकाया देनदारी है। इस योजना के तहत पात्र करदाताओं को बकाया कर पर ब्याज एवं जुर्माने में राहत दी जाएगी, जिससे उनकी कुल कर देयता में कमी आएगी। करदाताओं को केवल बकाया कर का भुगतान करना होगा तथा ब्याज और जुर्माने की माफी के लिए उन्हें जीएसटी पोर्टल पर आवेदन करना होगा। उपायुक्त ने बताया कि जिला में अब तक 15 करदाताओं द्वारा जीएसटी एमनेस्टी योजना का लाभ लिया जा चुका है, जिसमें वित्त वर्ष 2017-18 से दो करदाता, वित्त वर्ष 2018-19 से पांच करदाता तथा वित्त वर्ष 2019-20 से आठ करदाता शामिल है। उन्होंने सभी पात्र करदाताओं से अपील की कि वे समय रहते इस योजना का लाभ उठाएं और अपनी बकाया कर देनदारी का निपटान करें।

पात्र करदाता 31 मार्च तक ले सकते हैं योजना का लाभ

'रिज्यूम तैयारी' को लेकर कार्यशाला आयोजित

■ मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों के लिए 'रिज्यूम तैयारी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट सेल प्रभारी सहायक प्राध्यापक बलवंत सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रभावी रिज्यूम तैयार करने की कला में दक्ष बनाना और भविष्य की प्लेसमेंट संभावनाओं के लिए तैयार करना है। कार्यशाला में कम्प्यूटर अनुदेशक ललित कुमार, विद्यार्थियों को रिज्यूम तैयार करने की आधुनिक तकनीकों, पेशेवर प्रारूपों और आवश्यक कौशलों के बारे में प्रशिक्षण दिया। यह कार्यक्रम आईसीटी क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कम्प्यूटर अनुदेशक ललित कुमार ने कहा कि प्रभावी बायोडाटा का महत्व यह है कि यह आपके कौशल, अनुभव और योग्यता को बताता है। रिज्यूम यह समझने में मदद करता है कि आप किसी पद के लिए कितने उपयुक्त हैं। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. जनक रानी ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यशाला में भाग लेकर अपने करियर निर्माण के इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने की अपील की है वहीं वर्कशॉप के सफल आयोजन के लिए प्लेसमेंट सैल को बधाई भी दी।

रिज्यूम तैयार करने की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को 'रिज्यूम तैयारी' को लेकर टिप्स देते ललित कुमार।

शिक्षा के साथ संस्कारों का होना भी जरूरी: ब्रह्मदास

■ संगम स्कूल में वार्षिक परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

संगम स्कूल भरोखां में रविवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर डेरा बाबा भूमणशाह के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को आशीर्वाद प्रदान किया और कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का होना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि माता-पिता के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना बच्चों में होनी चाहिए, जिससे वे एक सशक्त नागरिक बन सकें।

सिरसा। अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत बाबा ब्रह्मदास। फोटो :हरिभूमि

आपसी मनमुटाव के चलते युवक ने साथियों सहित अपनी पत्नी पर बोला हमला

फतेहाबाद। मातूराम कालोनी में आपसी मनमुटाव के चलते एक युवक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर अपनी पत्नी पर हमला कर दिया। घायल महिला को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में मातूराम कालोनी फतेहाबाद निवासी किरण ने कहा है कि गत दिवस दोपहर को जब वह घर से बाहर दूध लेने आई तो उसका पति संजय कुमार अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल पर आया। इन लोगों ने बाईक से उतरते ही उसके साथ गाली-गलौच करना शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि इसके बाद तीनों ने उस पर कापों से हमला कर दिया। उसके पति संजय कुमार द्वारा किए गए हमले में उसके हाथ पर चोट आई वहीं अन्य लोगों के साथ भी उसके साथ मारपीट की। महिला ने कहा कि उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग जब इकट्ठा होने लगे तो उसका पति व दोनों युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए। जाते-जाते इन लोगों ने उसे जान से मारने की भी धमकी दी। इसके बाद लोगों ने उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अग्रोहा रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजनों ने उसे उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसका उपचार चल रहा है। महिला ने कहा कि उसका अपने पति के साथ काफी समय से मनमुटाव चल रहा है। इसके चलते ही उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उस पर हमला किया है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिलेभर में नवरात्रों के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा मंदिरों में की पूजा-अर्चना

हनुमान मंदिर में 58वां नवरात्र महोत्सव मनाया जाएगा

■ भक्तों ने माता का भव्य श्रृंगार किया और उनके समक्ष नारियल रखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिलाभर में नवरात्र के शुभारंभ पर रविवार को दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर घर में सुख समृद्धि की कामना की। शहर के सालासर धाम मंदिर में प्रथम नवरात्र पर श्रद्धालुओं की ओर से 351 अखंड ज्योत स्थापित की गई। वहीं श्री श्याम बगीची और इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा 11-11 अखंड ज्योत स्थापित की गई। विप्रजनों ने पूजा अर्चना के बाद मां भगवती की आरती की और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित की। वहीं इसके अलावा श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी नवरात्र पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की व नवरात्रों के व्रत रखे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने घरों में जौ रोपित कर उसके बीच मंत कलश स्थापित किया। माता रानी का भव्य श्रृंगार किया और उनके समक्ष नारियल रखा। बाद में मां दुर्गा की आरती की। वहीं नोहरिया बाजार की गली गोलछावाली स्थित इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर में हर वर्ष की भांति इस बार 58वां नवरात्रा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी बालकृष्ण दायमा ने 11 अखंड ज्योत स्थापित कर पूजा अर्चना के बाद आरती की। महिला श्रद्धालुओं ने मां भगवती का कीर्तन किया। शहर में बी ब्लॉक स्थित दुर्गा मंदिर, सर्राफों वाला मंदिर, खजांचियान मंदिर, शिवपुरी स्थित दुर्गा मंदिर सहित मां दुर्गा के मंदिरों में नवरात्र पर पूजा अर्चना की गई। इसके अलावा जिला के ऐलनाबाद, कालांवाली, रानियां, डबवाली, ओढां सहित अनेक गांवों में मां दुर्गा मंदिरों में नवरात्रा महोत्सव मनाया गया।

सालासर मंदिर में श्रद्धालुओं ने जलाई 351 अखंड ज्योत

श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी नवरात्र पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की व नवरात्रों के व्रत रखे, जौ रोपित कर उसके बीच मंत कलश किया स्थापित

सिरसा। नवरात्र पर श्याम बगीची मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर सांसद बराला ने की गोसेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सांसद सुभाष बराला ने रविवार को चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शिवनंदी गोशाला पहुंचकर गोसेवा की। उन्होंने गोमाता को हरा चारा खिलाया, गुड़ अर्पित किया और गोमाता का आशीर्वाद लिया। राज्यसभा सांसद ने सभी नागरिकों को हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्रि नवचेतना, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी संस्कृति और परंपराओं को सशक्त करने के साथ-साथ विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। भारतीय संस्कृति में गाय को माता का स्थान दिया गया है, और इसका संरक्षण एवं सेवा हम सभी का कर्तव्य है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि समाज कल्याण का एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। उन्होंने गौशाला में हो रहे कार्यों की सराहना की और भविष्य में इसके विकास के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रमन मड़िया, धर्मपाल सैनी, विनीत सिंगला, पार्षद जगमेल कटारिया आदि मौजूद रहे।

सांसद ने सभी को दी शुभकामनाएं

फतेहाबाद। गोशाला में गोसेवा करते सांसद सुभाष बराला।

मृत्यु तो प्रभु का आमंत्रण है। जब वह आए तो द्वार खोलकर उसका स्वागत करो और चरणों में हृदयधन सौंपकर अभिवादन करो।
- रविंद्रनाथ टैगोर

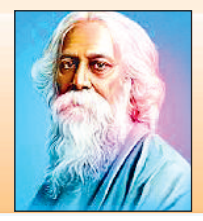

अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन की बू आ रही थी।

कहानी
अर्चना कोचर

शुभरात्रि

दफ्तर से घर के रास्ते में अचानक कैब खराब हो गई। रात बड़ी अंधियारी और सड़क बिल्कुल सुनसान थी। घर और रास्ते की दूरी लगभग बीस किलोमीटर थी। भाई और पापा दोनों शहर से बाहर गए हुए थे। और-तो-और इंटरनेट भी गायब था। संध्या बदहवास सड़क पर पैदल पागलों की भाँति भागी जा रही थी और साथ-साथ चल रहा था वह घुप्प अंधेरा। तभी उसे ऐसा आभास हुआ जैसे कोई साया उसके साथ-साथ चल रहा है। परछाई होगी, समझ कर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन तभी वह साया बिल्कुल करीब आ गया।

यह मन का वहम नहीं, अपितु हकीकत है। डर के मारे उसकी घिग्घी बंध गई। अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन तथा कंचे सी चमकती आँखों से वासना की बू नजर आ रही थी। तभी सुनसान को चीरती उसकी मधुर तथा धीमी आवाज, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने मौन तथा सहज होते हुए स्वयं को उसके बंधन से आजाद किया। उसका वहीं सवाल फिर से, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने बड़े धीमे से - हाँ, बोला। अब वह साया कदम-से-कदम मिलाकर उसके साथ-साथ चलने लगा। संध्या तेज-तेज कदमों से जितना दूर होने का प्रयास करती, वह उतना करीब आता जा रहा था। मानो संध्या के कदमों की गति से अपने कदमों के सुर-ताल मिला रहा हो। उसने फिर से सुनसान को चीरते हुए - 'इस वक्त इस सुनसान सड़क पर अकेले कैसे ?

डर के मारे संध्या के स्वर नहीं निकल पा रहे थे। उसके भय और चुप्पी को भांपकर उसने ढांढस बंधाते हुए - 'आप डरिए नहीं, इतनी सुनसान सड़क पर अकेली कैसे', लगती तो आप किसी सभ्य घर से है' ?

डर के मारे संध्या के होठ सिल गए, जिह्वा तालू से चिपक गई, शब्द कंठ तक तो आ रहे थे, लेकिन निकल नहीं पा रहे थे। वह बस बदहवास भागी जा रही थी। जैसे बीस किलोमीटर की दूरी दो ही मिनट में पूरी कर लेगी। वह जिस तरह से साथ-साथ चल रहा था, उसके हैवान होने का शक संध्या के दिमाग पर उतना ही गहराता जा रहा था। अपने पर काबू पाकर वह सिर्फ दो ही शब्द बोल पाई - 'आप यहाँ से जाइए, मैं अपने-आप चली जाऊँगी।' उसने कहा - 'सड़क सुनसान है, घुप्प अँधेरा है, शहर यहाँ से लगभग बीस किलोमीटर की दूरी पर है। इस समय सड़क पर शायद ही कोई वाहन मिले। 'संध्या ने फिर से हिम्मत बटोरकर - "बोला ना, आप जाइए! मैं चली जाऊँगी।" उसने कहा, "आगे थोड़ा जंगल का रास्ता है। इस समय जंगली जानवरों तथा अराजक तत्वों का खतरा होता है। आपके लिए अकेले वहां जाना सुरक्षित नहीं है।" संध्या ने मन-ही-मन, 'मैंने तुम्हारी आँखों में हैवानियत पढ़ ली है। अपने-आप को बड़े औरत के रखवाले और परम हितैषी समझते हो। मर्द परम हितैषी बनकर ही तो औरत को धोखा देते हैं। मैं तुम्हारे झांसे में नहीं आने वाली हूँ। क्यों उल्लू बना रहो' ?

संध्या उससे जितना दूर भागने की कोशिश करती, वह उतना ही उसके साथ-साथ हो लेता। उसने फिर वहीं बात दोहरा दी - 'आपने अपना नाम नहीं बताया, इस सुनसान सड़क पर कैसे'?

'संध्या तुतलाते हुए - 'संध्या, कैब खराब हो गई थी'। फिर एकदम से चिल्लाकर - 'बस बता दिया सब कुछ', अब आप मुझे मेरे हाल पर छोड़कर यहां से जाइए।

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहाँ से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूँ। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।' वह फिर मुस्कुराते हुए - "संध्या जी मेरा नाम गौरव है।" उसने चिढ़ते हुए - "गौरव-सौरव या कुछ और, फिर मैं क्या करूं ?" वह ढिठाई से मुस्कुराते हुए - 'जी पक्का-पक्का गौरव ही है। 'अब पकड़म-पकड़ाई और नोकझोंक में काफी समय हो गया था। आगे का रास्ता सुनसान, अँधकारमय तो था ही, साथ में गहरे जंगल से घिरा था। संध्या के पास भी उसके साथ चलने के अलावा कोई चारा नहीं था। अतः उसने भी मन के भय को खत्म करके सहज होकर उसके साथ चलने में ही अपनी भलाई समझी। अब न वह कुछ बोला और न ही संध्या। वह दोनों चुपचाप रास्ते की दूरी नाप रहे थे। संध्या बीस किलोमीटर के रास्ते को कदमों से नाप रही थी और वह कदम-से-कदम मिलाकर उसका साथ निभा रहा था। पीछे से गाड़ी का हॉर्न सुनकर, अपने पास रुकता देख संध्या डर के मारे लड़खड़ा गई।

गौरव उसका हाथ पकड़कर उसे सड़क के किनारे ले आता है। तभी गाड़ी उनके पास आकर रुकती है और दरवाजा खुलता है। अंदर दो जन - एक ड्राइवर की सीट पर तथा एक पीछे बैठा था। गौरव उसे अंदर बैठने के लिए बोलता है, लेकिन वह चिल्लाना शुरू कर देती है - 'मैं आप जैसे कपटी-दगाबाज लोगों को बड़े अच्छे से जानती हूँ, पहले विश्वास जमाते हो, फिर गैंग में लूटते हो।' उसने मुस्कुराकर विनयपूर्वक उसे फिर से अंदर बैठने के लिए कहा। लेकिन संध्या के जोर-जोर से चिल्लाने पर गौरव ने उसके मुँह पर हाथ रखकर, उसे धक्का देकर गाड़ी के अंदर बैठा दिया। फटाफट दरवाजें बंद किए और गाड़ी चल पड़ी। संध्या बेचैन कभी भगवान को याद करती, कभी अपनी फूटी किस्मत को, 'इस कैब को भी आज ही खराब होना था, जब घर पर कोई नहीं है। आज तो तू लुटी-ही-लुटी या तो तेरा राम-नाम सत होगा या ताउम्र बदचलन, बेहया का ठप्पा और मीडिया की बेचारी बनी-बनी न जाने कहाँ-कहाँ मशहूर हो जाएगी?' तभी गौरव ने पूछा - 'कहां जाना है आपको?' संध्या की डर के मारे जुबान निकल ही नहीं रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसने कुछ बोला है और इन्हें सुनाई नहीं दिया। गौरव ने फिर जोर से पूछा - "संध्या जी, मैं पूछ रहा हूँ, आपका घर कहां पर है ?" संध्या कुछ जवाब देती इससे पहले ही ड्राइवर - 'साहब, मैं तो गाड़ी फैक्ट्री के गैराज से निकालने गया था, इतनी देर में आप न जाने कहां गायब हो गए। मैं और सौरव साहब (पीछे बैठा व्यक्ति शायद गौरव का भाई होगा) बड़ी देर तक आपको फैक्ट्री के अंदर-बाहर ढूंढते रहे। आप फोन तो वहीं छोड़ आए और गाड़ी की चाबी भी साथ ले आए थे।

तभी गौरव जेब टटोलते हुए - 'ओह! बस वैसे ही पैदल चलने का मन हो आया था।' सौरव- 'गौरव, ऐसे कैसे तुम एकदम सुनसान सड़क पर अकेले पैदल बिना कुछ बताए चाबी जेब में डाले निकल आए' ? 'यह तो शुक्र है आज दूसरी गाड़ी फैक्ट्री में खड़ी थी और हम निकल आए। तुम्हें पता है यह जंगल का रास्ता कितना सुनसान और खतरनाक है। अकेले और पैदल यहां कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। भाई दो-चार किलोमीटर हो तो पैदल की सोचते, पूरा बीस किलोमीटर, वो भी जंगल, खतरों के खिलाड़ी बनने का इरादा है क्या?

गौरव - हूं। संध्या मन-ही-मन शायद मुझे सुनसान सड़क पर पैदल चलता देखकर यह साया मेरी हिफाजत में मेरी और आया होगा। तभी संध्या हिम्मत करके - 'गौरव जी, मुझे बस्तीपुरा जाना है।' गौरव ने ड्राइवर को गाड़ी बस्तीपुरा में घुमाने को बोला। बस्तीपुरा पहुंचकर संध्या को उसके घर के बाहर गेट पर उतारते हुए- अभी संध्या अपनी कृतज्ञता प्रकट करने ही वाली थी कि गौरव एकदम से मुस्कुरा कर - 'संध्या जी, सारे राहगीर चालबाज, भेड़िए और लुटेरे नहीं होते हैं। अच्छा चलते हैं, शुभरात्रि !

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहां से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूं। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।'

कविता
डॉ. बबिता सिंह

जीवन

इंद्रधनुषी सतरंगी
झिलमिल हो नभ पंथ
कनक थाल में मेघ सजा हो
हो जीवन उद्धार प्रिय।

सुरमई शाम
आँगन में दीप
नूपुर की रुनझुन से ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंतर्मन भर पुलक
अरुण का सूर्य कलश
पाँव में महावर हो ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अलि गूँजित मधुवन
सुधि से सुरभित स्नेह
स्पंदन ले अंक में ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

चिर अनमोल बंधन
प्रेम की परिधि
सागर की मोती सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंबर में विद्युत
उर में है बादल
साँसों के सौरभ-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

मधुरता अलक्षित
स्वर्ग सा श्रृंगार
संगीत की झंकार से
हो जीवन उद्धार प्रिय।

पवन हौले मृदुल
पावस का पलक डोल
तारों की चाँदनी-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

ग़ज़ल
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

इस ज़मीं का आदमी

इस जमीं का आदमी जब से खुदा होने लगा।
जन्दिगी का जायका ही बदमजा होने लगा।

ये अमन के पोस्टर जब से लगे हैं शहर में,
हर गली, हर मोड़ पर एक हादसा होने लगा।

आदमी शायद अजायबघर में ढूंढा जाएगा,
गर शहर में आए दिन ये सिलसिला होने लगा।

बढ़ गये नाखून,जबड़ों से टपकता है लहू,
आजकल के आदमी को जाने क्या होने लगा।

रोशनी देने के बदले घर जलाते हैं चिराग़,
अब शहर में जंगलों सा वाकया होने लगा।

ग़ज़ल
पं. कमल कांत भारद्वाज

असली मुखौटा

सब कुछ बता दिया मेरा हाथ देख कर
ये सब बताया उसे मेरे साथ देखकर

मैं अकेला ही लड़ लूँगा अपने मुक़द्दर से
मुझे संभल जाना चाहिए दुश्मन की चाल देखकर

वो आया था मुझे मिलने मेरे सायबान में
वापस लौट गया मेरा हाल बेहाल देखकर

ये सब जैसे दिखते हैं तुम्हें वैसे है नहीं
चेहरों पे नक़ाब डाल लेते हैं माहौल देखकर

किसे बतायें 'कमल' फ़लसफ़े अपनी ग़ुरबत के
अपनो ने ही ख़ंजर चला दिया बदहाल देखकर

कविता
राजेश भारती

एक दिन

एक दिन ऐसे ही बादल छूकर चला गया
धूप पत्तों पर ठिठकी, फिर लौट आई
हवा में गुनगुनाहट सी बिखर गई

सुबह की चाय में धुआँ उड़ा
खिड़की से झाँकती थी नन्ही चिड़िया
एक दिन ऐसे ही वक्त नर्म हो गया

गली के बच्चों की हँसी गूँजी
पेड़ की डाल पर सूरज झूलता रहा
मैंने चुपचाप समय को थाम लिया

शाम ने आकाश को गुलाबी रंग दिया
नदी किनारे चुपचाप लहरें सो गईं
एक दिन ऐसे ही दिल हल्का हो गया।

कविता
इन्दू घणघस

पापा

उठते थे सवेरों से पहले,
सांझ को भी कहा चयन पाते थे।
मेरे कल की खातिर
अपने आज को भूल जाते थे।

सफलता की थपकी
विफलता का कंधा थे।
अंधेरी काली रात का,
चमकता चंदा थे।

बड़े सादे ख्याल थे उनके,
बड़ी सादि जिंदगानी थी।
अब तो ढल गया वो चांद,
उसकी चमक बड़ी नूरानी थी।

साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए साहित्यकार कृष्ण लाल का कहना है कि आज के बदलते परिवेश में साहित्य की स्थिति चुनौतीपूर्ण है, जिसमें युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि बेहद कम होना चिंता का विषय है। हर कोई गूगल या अन्य आधुनिक डिवाइसेज पर विश्वास करके पुस्तकों के पढ़ने में कम रुचि दिखा रहा है। साहित्य सर्जन के प्रति प्रेरित करने के लिए प्राइमरी स्कूल स्तर पर ही अथक प्रयास करने होंगे।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

प्रकृति व मानव के बीच दूरियां मिटाने में अहम साहित्य: कृष्ण

साहित्य और संस्कृति का समाज को नई दिशा देने में अहम योगदान माना गया है। इसी मकसद से लेखक, साहित्यकार एवं कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार कृष्ण लाल गिरधर ने साहित्यिक सफर में हिंदी, अंग्रेजी और हरियाणवी भाषा में अपनी कविताओं और आलेखों के माध्यम सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर कर लोकप्रियता हासिल की है।

शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं कवि कृष्ण लाल गिरधर ने हरिभूमि संवाददाता से बातचीत के दौरान कुछ ऐसे अछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य के जरिए प्रकृति और मानव के बीच में बढ़ती दूरियां मिटाना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर का जन्म 12 सितंबर 1961 को रोहतक के निकटवर्ती गांव मदीना में मनोहर लाल और मीराबाई के घर में हुआ। पिता एक दुकानदार थे। गांव में ही खेतों खलियान के बीच प्रकृति की गोद में बचपन बीता और उनकी प्राथमिक शिक्षा दीक्षा हुई। राजकीय उच्च विद्यालय मदीना से उन्होंने मैट्रिक पास की और हिंदू कॉलेज रोहतक से 1981 में बी.ए. की परीक्षा पास करने के बाद सर छज्जू राम कॉलेज हिसार में बी.एड.में दाखिला लिया। सन 1982 में बतौर गणित अध्यापक के रूप में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल निदाना, साल 2002 में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांपला और साल 2005 से सितंबर 2019 (सेवानिवृत्ति) तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना में कार्यरत रहे। करीब बीस साल उन्होंने अंग्रेजी मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य किया।

अध्यापन के दौरान उन्होंने एम.ए.(पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन), एम.ए.(अंग्रेजी) और एमएड. की परीक्षाएं महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक से उत्तीर्ण की। दरअसल उनका परिवार भारत विभाजन के बाद अमृतसर और उसके बाद कुरुक्षेत्र से जिला रोहतक में आकर बस गया। उनके परिवार में किसी प्रकार का कोई साहित्यिक माहौल नहीं था। सन 1978 में कॉलेज समय के दौरान उन्होंने पहली कविता लिखी और हिंदू कॉलेज रोहतक की तरफ से उन्होंने गॉड कॉलेज रोहतक में काव्य पाठ प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जब वह अंग्रेजी परीक्षा की तैयारी अपने गांव के पास नहर पर स्थित एक पेड़ के नीचे बैठकर कर रहे थे कि अचानक लगभग 5 फीट लंबा कोबरा सांप उनके सामने से गुजरा और सीधा नहर से पानी पीकर वापस उनके आगे से ही गुजर गया, लेकिन उसने उसे कोई हानि पहुंचाई। बकौल कृष्ण लाल, यहां से उन्हें एक संदेश मिला, जो कि जॉन मिल्टन ने भी कहा कि वह अंधा हो गया है, लेकिन परमात्मा ने उन्हें लेखन कार्य दिया है वह तो उन्हें करना ही पड़ेगा, वरना आगे उसके दरबार में वह क्या जवाब देगा। इस प्रकार उन्हें अंदर से ही एक प्रेरणा मिली और फिर कलम उठाकर लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सन 1995 में राज्य शिक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के जनसंख्या विभाग में मेरी दो हिंदी कविताएं प्रकाशित हुई। मार्च 2007 में 'मैं विकलांग नहीं हूं' शीर्षक कविता प्रकाशित हुई। साहित्यिक साधना में उनकी रचनाओं का फोकस पर्यावरण, सामाजिक कुरीतियों, मनुष्य का व्यवहार, मानवता, दया, सत्य, प्रेम करूणा आदि के भाव रहे है। अभी तक लगभग 60 हिंदी कविताएं प्रकाशित हैं और 100 कविताओं के कविता संग्रह पर काम जारी है। हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने करीब 67 कविताएं लिखी, जिनमें से एक है 'शहर मह ताईं' जो कि पर्यावरण पर कुठाराघात है, जो एनसीईआरटी गुड़गांव में भाषा प्रशिक्षण सेमिनार में सन 2005 में प्रस्तुत की गई। साहित्य साधना के अलावा कृष्ण लाल सामाजिक सेवा में भी सक्रिय हैं, जिन्होंने कोरोना काल के दौरान अज्ञात किडनी रोगी को स्वैच्छिक प्लाज्मा दान करके मानवीय भाव को प्रकट किया और समाज को जागरुकता के लिए महामारी के दौर में प्रकृति पोषण और मनुष्य और प्रकृति को लेकर कविताएं भी लिखी। भारत विकास परिषद जैसी सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कृष्णलाल के लेख, कविताएं और विभिन्न पत्रिकाओं में भी प्रकाश होते आ रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्णलाल गिरधर की प्रकाशित अंग्रेजी भाषा की छह पुस्तकों में फीलिंग फेदर्स, लाइफ (लिव, लव, लाफ़), लव एंड पीस तथा मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स सुर्खियों में हैं। वहीं उनकी दो पुस्तकें नेचर नचर्स और मैन एंड नेचर कोरोना काल के दौरान लिखी गई, जबकि दो पुस्तकें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबन्धित प्रकाशित हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने हिंदी साहित्य में करीब सौ कविताएं लिखी, जिनका संग्रह जारी है। उन्होंने 67 कविताएं हरियाणवी में लिखी हैं।

कृष्ण लाल गिरधर

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर को उनकी पुस्तक पर मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक से राज्यपाल पुरस्कार मिल चुका है। वहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी साहित्य के करीब 75 सम्मान पत्र (सर्टिफिकेट) मिले हुए हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी से भी उन्हें पुस्तक मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स के लिए पुरस्कृत किया गया। हरियाणा राज्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम ने भी उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण लाल गिरधर
जन्मतिथि :12 सितंबर 1961
जन्म स्थान : गांव-मदीना (रोहतक)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी),एम.ए. (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन),एम.एड
संप्रति : सेवानिवृत्त प्रवक्ता (अंग्रेजी), लेखक, साहित्यकार, कवि

ऊर्जा देती है 'नई सोच के नये पंख'

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

पुस्तक: नई सोच के नये पंख
कवि : हरीश चंद्र झंडई
मूल्य: 250 रुपये
प्रकाशक: बोधि प्रकाशन

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरीश चंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'नई सोच के नए पंख' पाठकों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। इस संग्रह की रचनाएं नया करने की ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ वर्तमान के बदलते युग और भविष्य में आने वाली चुनौतियों के प्रति आगाह करती हैं। यूं तो आज का मानव हर क्षेत्र में तरक्की कर चुका है, परन्तु इन सबके बीच कहीं न कहीं मानवता का ह्रास हो गया है।

डॉ. झंडई की पूर्व प्रकाशित संग्रह नये रास्ते नई डगर, नई सोच के नये रंग, नया सवेरा में भी युवा पीढ़ी को कुछ नया करने का संदेश देते रहे हैं। प्रस्तुत संग्रह की शीर्षक कविता के माध्यम से भी कवि पाठकों को जीवन की तमाम चुनौतियों के बीच, संकीर्ण विचारों को छोड़कर नई उड़ान भरने का आह्वान करता है। जब इंसान नई सोच रखता है, तभी वह बाधाओं पर पार पा सकता है।

'नई सोच के नये पंख' में कुल 80 कविताएं हैं। इन कविताओं में रचनाकार ने भारत के इतिहास से लेकर विश्व की वर्तमान अवस्था, युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया, गिरते मानवीय मूल्यों जल संकट, पर्यावरण प्रदूषण, सता लोलूपता और नारी-विमर्श प्रधानता दी है। इतना ही नहीं कवि ने अपने संग्रह की अंतिम कविता 'प्यार की जिंदगी पत्नी है' में जीवन में पत्नी के महत्व को बहुत सुंदर शब्दो में पिरोया है। नई दुनिया में कवि ने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की है जिसमें अहंकार, जात-पात की भावना न हो बल्कि संस्कारों की भावना, मानवता और रिश्तों का सम्मान हो। संकट के मुहाने पर खड़ी दुनिया' के माध्यम से कवि ने दुनिया में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के खतरे के प्रति आगाह किया है। 'लौट आये मेरा बचपन' कविता के मानवीय रिश्तों के टूटने का दर्द उभारा है कि किस तरह बचपन हंसता खेलता था और आज परिवार के बुजुर्गो में एकाकीपन है और खुशियों के पर अब नहीं मिलते हैं। आया राम गया राम की बेला' आज की राजनीति की हकीकत बयां करती है। डॉ. हरीश चन्द्र झंडई ने महिला सशक्तीकरण पर भी लेखनी चलाई है। इसमें बेटी की आगे बढ़ने की चाह को उजागर करती कविता के साथ-साथ बेटियों को मजबूत बनने का आह्वान किया है। इसके साथ ही 'मनकों की माला को बिखरने न दो' समाज को एकजुट रहने का संदेश देती है। जिन्दगी है संघर्ष की तपिश हार न मानने और संघर्ष करने का आह्वान है। कुल मिलाकर डॉ. हरीश चन्द्र झंडई 'नई सोच के नये पंख' के माध्यम से अपना संदेश देने में सफल रहे हैं। पुस्तक का आवरण भी प्रशंसनीय है।

खबर संक्षेप

शोरूम के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। हिसार रोड स्थित एक शोरूम के बाहर से चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव माधोसिंघाना निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह तनिष्क शोरूम पर काम करता है। उसने बताया कि बीती 28 मार्च को शोरूम की हिसार रोड पर ओपनिंग थी। उसने अपनी बाइक शोरूम के बाहर खड़ी की थी। शाम को संभाली तो गायब मिली। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

घर से निकली किशोरी को परिजनों को सौंपा

ओढां। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत घर से नाराज होकर निकली 13 वर्षीय किशोरी को मात्र तीन घंटे में ढूंढकर उसके परिजनों से मिलवाने का काम किया है। उप निरीक्षक बनवारी लाल ने बताया कि बीते दिवस वे गश्त के दौरान गांव ओढां में मौजूद थे। इस दौरान उन्हें एक लडक़ी पैदल-पैदल गांव घुकांवाली की ओर से आती हुई दिखाई दी जो बीमार लग रही थी। लड़की को महिला उप निरीक्षक राज कौर को बुलाकर थाना में लाकर उससे पूछताछ की तो उसने अपना पता गांव घुकांवाली बताया।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी को भेजा जेल

ओढां। पुलिस ने हत्या का प्रयास मामले में वांछित आरोपी सुखदीप उर्फ सुक्खा पुत्र कर्मतेज सिंह निवासी तख्तमल को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर जेल भेजा है। ओढां थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि कर्मबीर उर्फ करनी पुत्र जसअली निवासी गदराना के बयान पर आरोपियों द्वारा जब वह सिरसा अदालत में पेशी से फारिग होकर अपने दोस्तों के साथ कार से वासिप घर पर आ रहा था। ओढां के नजदीक आरोपियों द्वारा उनकी कार के सामने से अपनी कार से टक्कर मारी व उसके तथा उसके दोस्त पर जानलेवा हमला करने पर मामला दर्ज किया गया था।

क्रेडिट कार्ड को हैक कर हजारों रुपये निकाले

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने टोहाना के एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड को हैक कर उसके खाते से 60 हजार रुपये निकाल लिए। यह राशि गुजरात के अहमदाबाद में निकाली गई। युवक को जब अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में मॉडल टाऊन, टोहाना निवासी आलम सिंह ने कहा है कि गत दिवस दोपहर को उसके क्रेडिट कार्ड से तीन बार में 4995, 4995 व 4983 रुपये कट गए।

पीएम श्री स्कूलों के नाम पर भिवानी बोर्ड को बंद करना चाहती सरकार : राजपाल

अध्यापक संघ ने जिला स्तरीय बैठक में नामांकन के लिए बनाई योजना

मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। नामांकन अभियान को लेकर बैठक में भाग लेते अध्यापक संघ के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ जिला कार्यकारिणी की मीटिंग ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन कार्यालय में जिला प्रधान राजपाल मिताथल की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग का संचालन जिला सचिव देसराज माचरा ने किया। मीटिंग में नामांकन अभियान चलाने, 15 से 25 अप्रैल तक खंड स्तर अध्यापकों की मांगों के लिए प्रदर्शन, मई में जिला स्तर पर प्रदर्शन, 20 मई को अखिल भारतीय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर 1 दिन की राष्ट्र व्यापी हड़ताल, जून में राज्य स्तर का प्रदर्शन करने बारे विस्तार से चर्चा की।

जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने कहा कि सभी स्कूलों में 1 अप्रैल से नए दाखिले होने हैं। अध्यापक संघ ने अपने स्तर पर नामांकन अभियान को सफल बनाने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनता को सार्वजनिक शिक्षा उपलब्ध हो, शिक्षा को बाजार की वस्तु न बनाया जाए।

आजकल समाज में शिक्षा को बेचा जा रहा है लेकिन शिक्षा प्राप्त करना 6 से 14 वर्ष के बच्चों का मौलिक अधिकार है जिसकी व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन बीजेपी सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। चिराग नाम की योजना को जोर-शोर से जनता के सामने पेश किया जा रहा है। निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी को सरकार निभाना नहीं चाहती और स्कूलों का निजीकरण करना चाहती है। अगर सरकार चाहे तो सरकारी स्कूलों के स्ट्रक्चर को सुधार कर सरकारी स्कूलों को भी अच्छा बनाया जा सकता है। चिराग योजना के लिए अब 35 करोड़ का बजट जारी किया गया है।

एक मजेदार बात सरकारी स्कूलों में भी मॉडल संस्कृति स्कूल के नाम से बच्चों से सरकार फीस लेना चाहती है जो कि किसी भी तरह से सही नहीं है। अध्यापक नेता ने कहा कि पीएम श्री स्कूल स्थापित करके स्कूलों को केंद्रीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ा जा रहा है। इससे ऐसा लगता है कि भिवानी बोर्ड को सरकार बंद करना चाहती है जो कि सरासर गलत है। अपने राज्य का स्वतंत्र शिक्षा बोर्ड होना चाहिए, लेकिन यह सरकार सारी शक्तियों का केंद्रीय कारण करना चाहती है और सीबीएसई बोर्ड से ही अधिकतर स्कूलों को संबद्ध किया जा रहा है।

सिरसा। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते पदमश्री गुरविंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

उत्साहपूर्ण रहा सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर रविवार को संपन्न हो गया। शिविर के समापन सत्र में स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए और समाज सेवा के तहत किए गए कार्यों की चर्चा की। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव लाल बहादुर बैनीवाल ने छात्रों का मार्गदर्शन किया, वहीं योग प्रशिक्षक राजेश कुमार ने योग के लाभों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति भाई कन्हैया आश्रम के बच्चों द्वारा किए गए सुंदर नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। आश्रम के मुख्य सेवक पद्मश्री गुरविंदर सिंह ने स्वयंसेवकों से संवाद किया और आश्रम की स्थापना व उसके सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशेष रूप से दुबई से आए डॉ. रितेश शर्मा ने स्वयंसेवकों को जीवन में समाज सेवा के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी तथा विभिन्न देशों की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। इस दौरान चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समन्वयक एवं शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रोफेसर मोनिका वर्मा ने अपने संबोधन में आश्रम के बच्चों की सराहना करते हुए स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

आर्य समाज ने स्थापना दिवस व नव संवत्सर पर ऋग्वेद पारायण यज्ञ का किया समापन

- महर्षि दयानंद सरस्वती ने 1875 ई0 में की आर्य समाज की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। आर्य समाज द्वारा स्थापना दिवस व नव संवत्सर पर आयोजित ऋग्वेद पारायण यज्ञ में भाग लेते सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज फतेहाबाद द्वारा नव संवत्सर व आर्य समाज की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आर्य समाज मंदिर, सुंदर नगर, फतेहाबाद में आयोजित ऋग्वेद पारायण यज्ञ का आज समापन किया गया। इस यज्ञ के ब्रह्म मुजफ्फर नगर, उत्तरप्रदेश से आए आचार्य पवनवीर थे वहीं वैदिक मन्त्रोच्चारण प्रताप शास्त्री और आर्य समाज के पुरोहित दीपक शास्त्री ने किया। यज्ञ के आचार्य पवनवीर ने कहा कि सृष्टि का विकास नव संवत्सर के अवसर पर हुआ था। महर्षि दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना भी नव संवत्सर के अवसर पर 1875 ई० में मुम्बई में की थी। इस आर्य समाज के कारण ही अनेक देश भक्तों ने आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था। अनेक क्रांतिकारियों ने देश को आजाद करवाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस ऋग्वेद पारायण यज्ञ में आर्य समाज के प्रधान अरूण ग्रोवर, सतीश चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र चौधरी काका, विजय निर्मोही, पूर्व पार्षद पंकज मुखी, हरीश झाम्ब, डॉ. राजवीर शास्त्री सपत्नीक यज्ञमान बने और अपने परिवार व राष्ट्र के हित के लिए आहूतियां प्रदान की। तीन दिनों तक चले इस महायज्ञ में शहर के अनेक सामाजिक, धार्मिक संगठनों के सदस्यों व गणमान्य लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया व विश्व कल्याण हेतु आहूतियां प्रदान की और विश्व शांति की कामना की।

मनुष्य की तृष्णाएं ऐसी लंबी नदी के समान हैं, जिसका ओर-छोर नजर नहीं आता

तृष्णा ही है हमारे दुःखों की गंगोत्रीः स्वामी विवेकानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

स्वामी तुरियानंद महाराज एवं स्वामी अचलानंद गिरि महाराज की मधुर स्मृति में स्वामी तुरीयानंद ट्रस्ट की ओर से संत प्रवचन व भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें गद्दीनशीन स्वामी विवेकानंद गिरि महाराज ने प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्यक्तियों के जीवन में यह समय आता है, जब शरीर जर्जर और बूढ़ा हो जाता है। इंद्रियों की शक्ति क्षीण हो जाती है। कर्म, इन्द्रियां व ज्ञान इन्द्रियां शिथिल पड़ जाती हैं। दैनिक जीवन के कार्य में भी उसे ओरों के ऊपर निर्भर रहना पड़ता है, परंतु बदनसीबी से तृष्णा सदैव जवान रहती है, बुढ़ापे का उदास साया, उसकी और आंखें भी नहीं दिखा सकता। मनुष्य की तृष्णाएं ऐसी लंबी नदी के समान हैं, जिसका ओर-छोर नजर नहीं आता। हमने अपनी कामनाओं/तृष्णाओं को अपने जीवन का गंतव्य लक्ष्य बना लिया है। करियर बनाना, पैसे इक_ करना, शादी करना व बच्चे पैदा करना तथा उन बच्चों का करियर बनाना, शादियां करना, फिर उनके बच्चों का करियर बनाना और अंत में मृत्यु को पा जाना ही अंतिम बुलावा है। उन्होंने कहा कि तृष्णा का स्वभाव ऐसा है कि जैसे-जैसे मनुष्य की कामनाएं पूर्ण होती जाती हैं, वैसे-वैसे तृष्णा की लपटें और तीव्र व प्रचंड होती जाती हैं। उन्होंने कहा कि सुकुरात का कथन है कि तृष्णा संतोष की शत्रु है। वह जहां भी पैर जमाती है, संतोष को भगा देती है। उन्होंने कहा कि शरीर के लिए आवश्यक वस्तुओं के भोग को तृष्णा नहीं कहते, जब वस्तुओं की लालसा बढ़ जाती है, उसे तृष्णा कहते है। वही मनुष्य में विषय वासना उत्पन्न करती है, जो अनर्थ की जड़ है। तृष्णा आनंदपूर्ण एवं शांत जीवन को संशय, क्रोध, व्याकुलता और आपाधापी से भर देती है।

कन्या गुरुकुल डोभी में यज्ञ से शुरू किया नव संवत्सर पर भूमि सुपोषण अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नव संवत्सर आर्य समाज का 150वां स्थापना दिवस भारतीय नववर्ष पर भूमि सुपोषण अभियान का शुभारंभ आचार्य देवदत्त के ब्रह्मत्व में यज्ञ द्वारा शुरू हुआ। वेद पाठ रविका शास्त्री व कन्या गुरुकुल की छात्राओं ने किया। मुख्य यजमान के रूप में सुरेंद्र आर्य बुडाक, अरुण आर्य दिल्ली, देवीलाल बेनीवाल मोहब्बतपुर, श्रवण कुमार पूनियां मंडी आदमपुर, कृष्ण कुमार फुरसाणी, संजीव कुमार आर्य थे। इस मौके पर मुख्य वक्ता मांगेराम वैदिक ने जीवन में यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा पंच महायज्ञ के बारे में बताया। आचार्य बलजीत सिंह आर्य ने भूमि सुपोषण हेतु गौ आधारित खेती के बारे में बताया। आयोजन में मुख्याधिष्ठाता परमजीत सिंह आर्य, प्राचार्या संतोष कुमारी, रामप्रसाद मोहब्बतपुर ,करमजीत आर्य ने अतिथियों का स्वागत किया। कन्या गुरुकुल की छात्राओं की रोचक प्रस्तुतियां ने समां बांधा।

अजीत प्रताप खोसा के जन्मदिवस पर खेल स्पर्धा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

शहर के नोहर रोड स्थित अजीत प्रताप खोसा स्टेडियम में मैराथन, सर्कल कबड्डी व अन्य खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह खेल आयोजन अजीज प्रताप खोसा फाऊंडेशन द्वारा अजीज प्रताप खोसा की जयंती पर किया गया था। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि मैराथन में पूर्व पालिकाध्यक्ष रविंद्र लढा, पालिका अध्यक्ष राम सिंह सोलंकी व एडवोकेट भरत शर्मा उपस्थित हुए और मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं सर्कल कबड्डी का शुभारंभ रणजीत सिंह कंग, खिलाड़ी ध्यान सिंह भिंडर व मार्केट कमेटी के सहायक सचिव बलराज बाना ने किया। खेल प्रतियोगिताओं की अध्यक्षता फाऊंडेशन के संरक्षण मलकीत सिंह खोसा ने की। प्रतियोगिताओं के समापन पर सिरसा एवी पब्लिक स्कूल की एमडी सुनीता सेतिया पहुंचीं और उन्होंने सभी विजेता खिलाडियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सिरसा। खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

ये रहे खेल प्रतियोगिता के परिणाम

मैराथन लडक़ों में प्रथम मोहन चरखी दादरी, द्वितीय संदीप श्योराण व तृतीय यश दारा रहे। वहीं लड़कियों में पूजा धोलपालिया प्रथम, मुक्ता रानी द्वितीय और तृतीय स्थान पर पूनम मिठनपुरा रही। मैराथन विजेताओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए ट्रॉफी के साथ 4100, 3100 व 2100 रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। मैराथन में 4 से 10वें स्थान के लिए ट्रॉफी व 500 रुपए का नगर पुरस्कार दिया गया। वहीं 11 से 20वें स्थान तक की पोजिशन पर रहने वालों को 200 रुपए नगद व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

4 किलो 320 ग्राम चूरापोस्त सहित दो व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए सिरसा व बड़ागुड़ा थाना पुलिस ने दो व्यक्तियों को 4 किलो 320 ग्राम डोडा पोस्त सहित काबू किया है। बड़ागुड़ा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि बड़ागुड़ा थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव लकड़ावाली से होते हुए गांव दौलतपुर खेड़ा की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब नजदीक रेलवे स्टेशन सुखचैन पहुंची तो सामने से एक व्यक्ति अपने कंधों पर प्लास्टिक का कट्टा लिए हुए आता दिखाई दिया। उक्त व्यक्ति ने सामने पुलिस पार्टी को देखकर अचानक वापस मुड़कर भगाने का प्रयास किया तो पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त व्यक्ति को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 3 किलो 112 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद हुआ। वहीं एक अन्य घटना में जिला की सीआईए सिरसा पुलिस टीम गश्त के दौरान रोड़ी थाना क्षेत्र के गांव सुरतिया में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सामने से एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। उक्त व्यक्ति ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक घबरा गया।

मजदूरों के लिए फ्री हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

भारत विकास परिषद वीर शाखा की ओर से टाटा 1एमजी लैब, सेक्टर 13 के साथ मिलकर सेक्टर 13, 16 व 9-11 क्षेत्र में रहने वाले गरीब, बेसहारा व मजदूरों के लिए फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में 50 से अधिक व्यक्तियों की रक्त जांच की गई तथा फ्री दवाई उपलब्ध करवाई गई। कैंप में डॉ वेद प्रकाश नरूला द्वारा मरीजों को सुझाव भी दिए गए।

टाटा 1एमजी लैब, सेक्टर 13 हिसार के ओनर परमवीर न्योलिया ने बताया कि कैंप में शुगर फास्टिंग/रेंडम, यूरिक एसिड, कैल्शियम तथा कोलेस्ट्रॉल टोटल की निःशुल्क जांच की गई। शिविर में डॉ. वेद प्रकाश नरूला द्वारा भारत विकास परिषद वीर शाखा के तहत फ्री दवाइयां भी प्रदान की गई। कैंप में योगेंद्र योगी द्वारा ब्लड सैंपल लिया गया। डॉ. वेदप्रकाश नरूला ने बताया कि आज प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना बहुत आवश्यक है।

डॉ. काशीराम जिलाध्यक्ष व ध्यान सिंह शहरी अध्यक्ष नियुक्त

सिरसा। मानव संरक्षण कल्याण संगठन ने डॉ. काशीराम को सिरसा जिलाध्यक्ष व ध्यान सिंह को सिरसा शहरी अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि संगठन काफी समय से देश के सभी राज्य में सामाजिक व जनकल्याण कार्य को समाज के सामाजिक व्यक्तियों के साथ मिलकर हर वह सामाजिक कार्य समय-समय पर समाज की जरूरत अनुसार कार्य कर रहा, जिसकी समाज व आमजन को जरुरत है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए आज संगठन ने इन सभी सदस्यों को रविवार को जिला सिरसा में अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। हरियाणा समन्वयकसतवीर ठाकुर ने बताया कि इन सभी कार्यकर्ताओं के कार्य को देखते हुए जो निर्णय राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने लिया है, वह स्वागत योग्य है। वहीं नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारियों ने भी संगठन के सभी उच्च पदाधिकारियों को विश्वास दिलाया है कि हम संगठन में रहकर संगठन के लक्ष्यों व उद्देश्यों को सार्थक करेंगे।

जनता के विश्वास से भाजपा को मिली तीसरी बार सत्ताः गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री रणबीर सिंह गंगवा।

हरियाणा प्रदेश बनने के बाद से लेकर अब तक कोई भी पार्टी ऐसी नहीं रही है, जिसकी लगातार तीसरी बार सरकार बनी हो। भाजपा ही अकेली पार्टी है, जिसने देश व प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाई है। जिस गरीब परिवार ने कभी सरकारी नौकरी के बारे में सोचा तक नहीं था, उस परिवार में आज सरकारी नौकरी देने का काम भाजपा सरकार ने किया है। ये सब जनता के विश्वास व सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का परिणाम है। मंत्री रणबीर सिंह गंगवा रविवार को सिरसा के कुम्हार धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हाल ही में 2.5 लाख करोड़ का बजट पारित किया है, जिसमें किसान, मजदूर, व्यापारी, गरीब सहित सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। सरकार ने अपने संकल्प पत्र में जो वायदे किए थे, उन्हें अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। बजट में योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए पूरा प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का बजट प्रदेश के विकास को और गति देगा। शहर में विकास को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में रणबीर गंगवा ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि विभाग की छवि को सुधारा जाए। गंगवा ने कहा कि काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर निर्माण सामग्री की क्वालिटी में किसी तरह की कमी पाई गई तो अधिकारी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

अभियान जागरुकता का यह कदम एनएसएस के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करेगा : प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय के एनएसएस विद्यार्थी अब दहेज व नशे के खिलाफ गांव-गांव चला रहे मुहिम

- एनएसएस यूनिट में 200 से ज्यादा छात्र-छात्राएं रहे शामिल
- विद्यार्थियों ने गांवों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी अपने-अपने गांवों में किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना। राजकीय महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट छात्राएं दहेज प्रथा के खिलाफ ग्रामीणों को जागरूक करती हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय भूना की एनएसएस यूनिट के छात्र-छात्राएं अब अपने-अपने गांव में समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैला रहे हैं। दहेज प्रथा, नशा और सामाजिक बुराइयों को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही जल और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी घर-घर जाकर लोगों को पौधे लगाने और पानी बचाने का संदेश दिया जा रहा है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र ज्यानी ने बताया कि पहले एनएसएस शिविर कॉलेज परिसर में सात दिन तक चलता था।

अब छात्र-छात्राएं अपने गांवों में जाकर सामाजिक बदलाव की मुहिम चला रहे हैं। वे अलग-अलग मुद्दों पर सेमिनार कर रहे हैं। एनएसएस यूनिट में 200 से ज्यादा छात्र-छात्राएं शामिल हैं। ये सभी अपने गांवों में दहेज प्रथा के खिलाफ लोगों को मोटिवेट कर रहे हैं। नशे के दुष्परिणाम समझा रहे हैं। सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लोगों को जोड़ रहे हैं।

प्राचार्य ने कहा कि अगर विद्यार्थियों की जागरूकता से एक भी शादी बिना दहेज के हो जाती है तो 20 लाख रुपये से ज्यादा की बचत हो जाएगी। यह कदम एनएसएस के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि अगर गांव के 15 लोगों में से एक व्यक्ति भी पानी बचाने लगे और दो लोग पौधे लगा दें तो राष्ट्रीय सेवा योजना समाज की मुख्यधारा से जुड़ जाएगी।

खबर संक्षेप

खरीद के लिए आढ़तियों को नहीं मिला बारदाना

सिरसा। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने आढ़ती व मिलरों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि सरकार की तरफ से गेंहू की सरकारी खरीद 1 अप्रैल से हरियाणा में शुरु होगी मगर गेंहू खरीद के लिए सरकार ने अभी तक मंडी के आढ़तियों को कोई बारदाना व गेंहू उठान का टैंडर तक नही दिए है ना ही मंडियों में गेंहू खरीद के लिए कोई मूलभूत सुविधा है।

संस्कारों को जानने की जरूरतः डॉ. जयप्रकाश

सिरसा। माता अहिल्या बाई होलकर की त्रिशती जयंती के उपलक्ष्य में जेसीडी विद्यापीठ में संस्कार भारती हरियाणा एवं केएल थियेटर प्रोडक्शंस के संयुक्त संयोजन में दो दिवसीय नाट्य उत्सव का किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन केएल थियेटर प्रोडक्शंस द्वारा नाटक मैं हूं भारत और दूसरे दिन जेसीडी रंगशाला के विद्यार्थियों द्वारा नाटक मुक्तिधाम का मंचन किया गया। नाट्य उत्सव के समापन समारोह में जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. जयप्रकाश मुख्यातिथि और जेसीडी विद्यापीठ के कुलसचिव डॉ. सुधांशु गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

दुकानदार से हजारों रुपये की ठगी, केस

फतेहाबाद। टोहाना में साइबर ठगों ने एक दुकानदार से हजारों रुपये ठग लिए। गलती से ज्यादा पैसे ट्रांसफर होने के नाम पर ठग ने दुकानदार से 40 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। दुकानदार को जब अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया है।

युवक के खाते से हजारों रुपये गायब, केस

फतेहाबाद। रतिया में एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। व्हाट्सएप पर आए लिंक पर क्लिक करते हुए युवक के खाते से हजारों रुपये निकल गए। इस बारे पीड़ित युवक की शिकायत पर रतिया पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव लुठेरा निवासी मनप्रीत सिंह ने कहा है कि उसका कोटक महेन्द्रा बैंक में खता है। गत दिवस उसके व्हाट्सएप नंबर पर एक लिंक आया। जैसे ही उसने उक्त लिंक पर क्लिक किया तो उसके बैंक खाते से 2200 रुपये निकल गए।

कबड्डी देखने आए युवक का मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने गांव अमानी में कबड्डी टूर्नामेंट देखने आए एक युवक का मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे सदर टोहाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव जमालपुर शेखां निवासी बलराज सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव अमानी में आयोजित कबड्डी के मुकाबले को देखने के लिए गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को ग्राऊंड के पास खड़ा किया था। कबड्डी मुकाबला खत्म होने के बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था।

कलाकारों ने किया बाबा का गुणगान, प्रसाद चढ़ाकर मांगी मन्नतें

नवसंवत पर डेरा बाबा सरसाई नाथ में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

डेरा के महंत बाबा सुंदराईनाथ ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देकर किया निहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। डेरा बाबा सरसाई नाथ में बाबा सरसाईनाथ की समाधि व प्रतिमा पर शीश नवाते श्रद्धालुजन। फोटो: हरिभूमि

नवसंवत 2082 के शुभागमन पर रविवार को शहर सिरसा के संस्थापक बाबा सरसाई नाथ डेरा में विशाल मेला व भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि पर शीश नवाकर सुख समृद्धि की कामना की। वहीं भजन मंडली के कलाकारों ने बाबा की महिमा का गुणगान किया। नवसंवत के अवसर पर डेरा बाबा सरसाईनाथ में आयोजित भंडारे को लेकर भव्य सजावट की गई थी। सैकड़ों सेवादार व्यवस्था बनाने में जुटे हुए थे।

जगमग हो डेरा

महिलाओं व पुरूषों के लिए आने जाने के अलग अलग रास्ते बनाए गए हैं। परशुराम चौक मार्ग तथा बेगू रोड पर भगवा रंग के झंडे फहरा रहे थे व विद्युत चालित लडियां जगमगा रही थी। रविवार सुबह सवेरे से ही श्रद्धालुओं का डेरा में आना शुरू हो गया जो मध्य रात्रि तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि पर भगवा रंग की चादर, प्रसाद आदि चढ़ाकर मन्नत मांगी। विभिन्न भजन मंडली के कलाकारों ने बाबा की महिमा का गुणगान किया। डेरा के महंत बाबा सुंदराईनाथ ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद से लाभांवित किया। उन्होंने कहा कि यहां सबकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा यहां सभी धर्मों के लोग आकर बाबा की समाधि पर माथा टेकते हैं। उन्होंने कहा कि सिरसा नगरी बाबा सरसाईनाथ ने बसाई थी, जिसकी नींव नवसंवत के अवसर पर रखी गई थी। इसलिए नवसंवत पर जिलावासी यहां सपरिवार आकर शीश नवाते हैं और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को मंदिर की प्रसाद वितरण समिति की ओर से चूरमे का प्रसाद बांटा गया।

भाईचारे का संदेश देता है डेरा बाबा सरसाई नाथ

सिरसा का नाम बाबा सरसाईनाथ के नाम से अलंकृत हुआ। नाथ समुदाय से जुड़े यह ऐतिहासिक डेरा बेगू रोड पर स्थित है, जहां चेत्र मास की प्रतिपदा यानि नवसंवत के उपलक्ष्य में हर वर्ष मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें सिरसा ही नहीं बल्कि आसपास के इलाकों से हजारों लोग आते हैं और बाबा की समाधि पर शीश नवाते हैं। डेरा सभी धर्मों व जाति के लोग श्रद्धा से शीश नवाते हैं।

शाहजहां के बेटे को मिला था जीवनदान

डेरा बाबा सरसाईनाथ के महंत सुंदराईनाथ का कहना है कि डेरा मुगलकालीन है। यहां मुगल शहंशाह शाहजहां के बेटे दारा शिकोह को जीवनदान मिला था जिसके बाद मुगल बादशाह ने डेरे में भव्य गुंबद का निर्माण करवाया, जो आज भी ज्यों का त्यों हैं। महंत सुंदराईनाथ ने बताया कि नवसंवत पर सिरसावासी बाबा की समाधि पर शीश नवाते हैं और मनोकामनाएं मांगते हैं। डेरा प्रेम व भाईचारे का संदेश देता है तथा यहां हर धर्म के लोग आते हैं।

सिरसा। नव वर्ष पर हवन करते बिश्नोई समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

बिश्नोई समाज ने यज्ञ कर मनाया हिंदू नववर्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

हिंदू नववर्ष विक्रमी संवत 2082 के उपलक्ष्य में रविवार को बिश्नोई धर्मशाला डबवाली में स्थित श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान मंदिर के पवित्र प्रागण में पुजारी कपिल देव द्वारा 120 शब्दों के साथ हवन यज्ञ व पौधारोपण करते हुए नववर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह जानकारी देते हुए बिश्नोई सभा सचिव इन्द्रजीत बिश्नोई ने बताया कि गुरु जम्भेश्वर भगवान की वाणी में बताया गया है कि मोरे धरती ध्यान वनस्पति वासो ओजू मण्डल छायो अर्थात मैने हमेशा धरती व पेड़ पौधों के संरक्षण के बारे में बात कही है। पेड़ पौधे सुरक्षित रहेगें तो वायुमंडल साफ सुथरा रहेगा, पर्यावरण शुद्ध होगा जिससे हमे प्राण वायु मिलती है। गुरु जम्भेश्वर भगवान कहते हैं हरी ककेडी मण्डप मेडी जहाँ हमारा वासा अर्थात मेरा वास हमेशा हरे भरे पडे पौधों वनस्पति में होता है। में

पौधरोपण भी किया

उन्होंने कहा कि नववर्ष के आगाज में प्रकृति भी खुश होती है। पेड़ पौधों में नये पत्ते कपोल फूटते हैं और सुन्दर फूल खिलते हैं। वहीं, किसानों के खेत खलिहान में फसल पककर नई फसलों का भी आगाज होता है। ऐसा आभास होता है जैसे प्रकृति नववर्ष की खुशी जाहिर करती है। इस मौके पर सभा अध्यक्ष कुलदीप कुमार जादूढा, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार धारणिया, सदस्य जीत राम पूनिया, सदस्य रामकुमार तरड, रिटायर्ड कानूनगो जगदीश कुमार धारणिया, शिवकुमार खीचड़, रिटायर्ड प्रिंसीपल हंसराज, सुदेश कुमार धारणिया, रिटायर्ड एसडीओ ओमप्रकाश रोहज, नरसी राम धारणिया, वेदप्रकाश रोहज, अमीलाल गोदारा, सतपाल खीचड़ व महिलाओं, बच्चों आदि ने हवन मे आहुति देकर नववर्ष की खुशी मनाई। सभी ने एक दूसरे को नवण प्रणाम कर नववर्ष की बधाई दी। धर्मशाला के मुख्य द्वार पर बोटल पाम का पेड़ भी लगाया सनातन धर्म के अनुसार हर वर्ष हिंदू नववर्ष मनाने का निर्णय लिया गया।

जैन स्कूल में परिणाम घोषित

- स्कूल प्रशासन ने मेधावी बच्चों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सेठ सागरमल सुराणा जैन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के तहत कक्षा नर्सरी से 11वीं तक का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों का तिलक लगाकर व उपहार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रधानाचार्या रेणुबाला ने कक्षा नर्सरी से 9वीं व 11वीं के प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए अन्य सभी विद्यार्थियों को भी आगे बढने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम पर खुशी व्यक्त करते हुए स्कूल प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मक्खन लाल गोयल, प्रबंधक हनुमानमल गुजरानी, ट्रस्टी देवेंद्र डागा ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और स्टाफ सदस्यों को बधाई दी तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

देमीवाल की पुण्यतिथि पर लगा रक्तदान शिविर

- शिव शक्ति बल्ड बैंक सिरसा ने 19 यूनिट रक्त एकत्रित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ओढां

जैसा नाम वैसा काम करने वाले नुहियांवाली निवासी रामभक्त रामजी लाल देमीवाल की 7वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिव शक्ति बल्ड बैंक सिरसा ने 19 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

भगवान के अनन्य भक्त

रामजी लाल के पुत्र सुरजभान देमीवाल डीपीई वैटरन खिलाड़ी ने बताया कि दिवंगत भगवान श्री राम के अनन्य भक्त थे।

उन्होंने अपने जीवन काल में कापियों पर लगभग ढ़ाई करोड़ राम राम शब्द का लेखन कार्य पूरा किया और वह सभी कापियां हरिद्वार में जमा करवाई। वे अपने कर्तव्य व कर्म के प्रति निष्ठावान और ईमानदार रहे। रेलवे विभाग में 40 वर्षों तक सेवा के दौरान ही उन्होंने राम राम का लेखन कार्य पूरा किया। रिटायर्मेंट के बाद वो समाज सेवा में लीन रहें। शिविर में19 रक्तदानियों ने रक्तदान करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर में 3 महिलाओं कुसुम देमीवाल, ज्योति व बिमला देवी ने रक्तदान करके समाज में व्याप्त रक्तदान के प्रति नकारात्मक धारणा को जड़ से मिटाने की आदर्श मिशाल पेश की।

सिरसा। शिविर में रक्तदान करती एक महिला। फोटो: हरिभूमि

रक्तदान से बचता है मरीज का अमूल्य जीवन

इस मौके पर सूरजभान देमीवाल ने कहा कि हम रक्तदान कर किसी का अमूल्य जीवन बचा सकते हैं। रक्तदान करना जनकल्याण का कार्य है। प्राध्यापक पवन देमीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी व्यस्त जीवन जी रहे हैं। व्यस्तता से भरे इस जीवन में हर दिन कोई न कोई दुर्घटना होती ही रहती है। दुर्घटना के दौरान शरीर से रक्त काफी मात्रा में निकल जाता है और इस कारण ज्यादातर लोगों की मृत्यु हो जाती है। इस मृत्यु दर को कम करने हेतु हम सभी को मिलकर रक्तदान करते रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर भगवान सिंह, पुजारी दलबीर सिंह, रामकुमार देमीवाल, अनिल परिहार सहित अनेक गांववासी उपस्थित रहे।

आर्य समाज के स्थापना सप्ताह पर किया यज्ञ

- डीएवी पुलिस स्कूल में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। आर्य समाज स्थापना सप्ताह पर आयोजित वैदिक यज्ञ में भाग लेते डीएवी पुलिस स्कूल प्राचार्य व विद्यार्थी।

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में चल रहे आर्य समाज स्थापना सप्ताह का आज वैदिक यज्ञ के साथ समापन हुआ। आज विद्यालय प्रांगण में आर्य समाज के 151वें स्थापना दिवस तथा नव संवत चैत्र प्रतिपदा-भारतीय नववर्ष के पावन अवसर पर वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया।

हवन में डाली आहुति

इसमें आचार्य राम बिलास शास्त्री के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्राचार्य अरुण शर्मा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आहुतियां डालते हुए 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की मंगलकामना के साथ सभी के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन के लिए प्रार्थना की और सभी को सनातन नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इसके अतिरिक्त आर्य समाज फतेहाबाद में आयोजित ऋग्वेद पारायण यज्ञ में भी विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और यज्ञ में विशेष आहुतियाँ डालते हुए लोक कल्याण की मंगलकामना की। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए प्राचार्य अरुण शर्मा ने पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी से लेकर महात्मा आनंद स्वामी जी के त्याग व ऋषि दयानन्द जी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि डीएवी के प्रधान आर्य रत्न डॉ. पूनम सूरी के मार्गदर्शन में ये संस्था यूँ ही उत्तरोत्तर उन्नति करती रहे और समाज में ज्ञान रुपी प्रकाश से सबका जीवन आलौकित करती रहे।

ग्रोवर बने मंदिर कमेटी के अध्यक्ष

- श्री राधाकृष्ण मंदिर भिरड़ाना की कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गांव भिरड़ाना स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर कार्यकारिणी की बैठक आज मंदिर प्रांगण में हुई। बैठक में गांव के अनेक गणमान्य लोगों ने भी भाग लिया। बैठक में मंदिर के संचालन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और नई कार्यकारिणी के गठन का फैसला लिया गया।

सर्वसम्मति से निर्णय : बैठक में मौजूद सदस्यों ने सर्वसम्मति से रविन्द्र ग्रोवर को श्री राधाकृष्ण मंदिर कमेटी का नया प्रधान चुना गया। इसके अलावा बिजेन्द्र कुमार गेरा को संरक्षक, भीमसैन को उपप्रधान, शीलू वधवा को सचिव, दीपक मक्खड़ को कैशियर और सूरज बजाज को कानूनी सलाहाकार चुना गया।

बैठक में मौजूद सदस्यों ने नव संवत्सर और नवरात्रों की सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्णचंद बजाज, चंद्र प्रकाश गेरा, रामशरण गेरा, दीपक वधवा, सात्विक बत्रा, देव बत्रा, अरुण बजाज, मनोहर गक्खड़, हरीश आहूजा, मोहन लाल जुनेजा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फतेहाबाद। श्री राधाकृष्ण मंदिर भिरड़ाना में हुई बैठक में भाग लेते कमेटी सदस्य।

लूट के आरोप में दो युवक काबू

- नशे के आदी है दोनों युवक, लूटे गए पैसे नशे पर किए खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

भूना। किसान हंसराज कंबोज से लूटपाट के आरोपी युवक पुलिस हिरासत में।

खैरी रोड पर किसान हंसराज कंबोज से दिनदहाड़े लूट करने वाले दोनों बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गए। रविवार को हिसार रोड से पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की थी। दोनों भूना के वार्ड नंबर 7 के रहने वाले हैं। इनके नाम कर्ण उर्फ अजय और अनमोल उर्फ जग्गी हैं। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वारदात में खिलौना पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। लूट के बाद उन्होंने इसे बैजलपुर गांव के शिव भोले मंदिर के पास झाड़ियों में फैंक दिया था। पुलिस ने पिस्तौल बरामद को भी बरामद लिया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी नशे के आदी हैं। लूटे गए पांच हजार रुपये दोनों ने नशे में उड़ा दिए। घटना 28 मार्च की दोपहर की है। भूना निवासी किसान हंसराज कंबोज साइकिल से खेत में फसल देखने जा रहे थे। शहर से करीब 3 किलोमीटर दूर दो बदमाशों ने उन्हें रोककर लूटपाट कर दी।

सांसद सुभाष बराला ने कार्यक्रम में की शिरकत

श्री कृष्ण रोटी बैंक के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

- राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने ट्रस्ट को 11 लाख रुपये सांसद कोष से देने की घोषणा की, अन्य मांगों पर भी सहमति जताई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

टोहाना। श्री कृष्ण रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन सांसद सुभाष बराला। फोटो: हरिभूमि

श्री कृष्ण रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट, टोहाना के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर भवन का विधिवत उद्घाटन किया। सभी उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को भी सुना। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने ट्रस्ट को 11 लाख रुपये सांसद कोष से देने की घोषणा की और ट्रस्ट द्वारा रखी गई सभी मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

समाज सेवा में लगे संगठनों का कार्य सराहनीय

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि समाज सेवा में लगे संगठनों का कार्य सराहनीय है और इन प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें समाज के हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और जनता के सहयोग से 'नया भारत' और 'समृद्ध हरियाणा' के सपने को साकार किया जा रहा है। श्री कृष्ण रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट, टोहाना समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह ट्रस्ट जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। नए भवन के उद्घाटन के साथ, संस्था अब और अधिक संगठित एवं प्रभावी रूप से समाज की सेवा कर सकेगी। प्रधानमंत्री देश के विकास के लिए समर्पित हैं और उनकी नेतृत्व क्षमता में भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं से देश को नई दिशा मिली है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के हर वर्ग के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष विनीत सिंगला, टेक चंद मोदी, रजनीश बांसल, प्रवीन जैन, बलदेव बिश्नोई सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।